# 2 अध्याय: साहित्य समीक्षा

# अध्याय 2: साहित्य समीक्षा

## 2.1 परिचय

अध्ययन के विषय " बैढ़न ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालयों में खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन: सरकारी स्कूलों पर विस्तार से चर्चा और विश्लेषण करने से पहले, खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों से संबंधित मौजूदा साहित्य की समीक्षा करना महत्वपूर्ण है। जिससे माध्यमिक विद्यालयों में खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन का महत्व स्पष्ट हो सके। खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन पर आधारित साहित्य में गत शोधकर्ताओं के अध्ययन से लेकर समितियों की रिपोर्ट, अनुभवजन्य अध्ययन से लेकर वर्णनात्मक अध्ययन, और विशिष्ट जांच से लेकर सामान्य अवलोकन तक शामिल हो सकते हैं।

संबंधित शोध की समीक्षा करने से, शोधकर्ता मौजूदा साहित्य में अंतरालों की पहचान कर सकते हैं और संबंधित चर के साथ जुड़ी समस्याओं का पता लगा सकते हैं। समस्याओं की पहचान करने की यह प्रक्रिया शोधकर्ता को आगे के अध्ययन के लिए सबसे प्रासंगिक मुद्दों का चयन करने में सक्षम बनाती है। साहित्य समीक्षा से वर्तमान दृष्टिकोण, कार्यप्रणालियों, और सैद्धांतिक ढांचे को समझने में मदद मिलती है जो इस क्षेत्र में लागू किए हैं।

पिछले अध्याय में, शोधकर्ता ने अध्ययन की आवश्यकता को विस्तार से जांचा और इसके उद्देश्यों को स्पष्ट किया। यह अध्याय संबंधित साहित्य की समीक्षा के लिए समर्पित है, जिसमें विभिन्न शोध रिपोर्ट को पढ़ना, उनका पता लगाना, उनका विश्लेषण करना, उनकी व्याख्या करना और उनका मूल्यांकन करना शामिल है। यह अध्ययन शोधकर्ता को उन अंतर्दृष्टि यों और दृष्टिकोण को भी उपलब्ध कराता है जो उनकी योजना बनाई गई अध्ययन के लिए आसानी से सुलभ नहीं हो सकती हैं।

## 2.2 साहित्य समीक्षा के उद्देश्य

संबंधित साहित्य की समीक्षा करने से शोधकर्ता को उस क्षेत्र या संबंधित क्षेत्र में वर्तमान ज्ञान से परिचित होने का अवसर मिलता है जिसमें उसका शोध किया जा रहा है, इसके अलावा निम्नलिखित विशिष्ट उद्देश्यों की सेवा करता है:

i. यह शोधकर्ता को समीक्षा किए गए साहित्य के आधार पर नए समस्याओं को तैयार करने में सहायता प्रदान करता है, जिसमें सिद्धांत, विचार, विचारधाराएं, धारणाएं, या स्थिति आकलन शामिल हैं।

ii. यह अध्ययन की पृष्ठभूमि को समझने के लिए एक आधार प्रदान करता है।

iii. इसे इसलिए किया जाता है क्योंकि यह शोधकर्ता को पहले से चर्चा किए गए समस्याओं के बारे में प्रमाण प्रदान करता है और वर्तमान समस्याओं को पर्याप्त रूप से हल करने के लिए उपलब्ध सुझाव प्रदान करता है, जिससे अतिरिक्त जांच की आवश्यकता नहीं होती है और कार्य की पुनरावृत्ति से बचा जा सकता है।

iv. शोधकर्ता विभिन्न अध्ययनों और स्रोतों से समीक्षा किए गए मौजूदा साहित्य के आधार पर शोध की वर्तमान स्थिति ,आकलन  तैयार कर सकता है।

v. साहित्य समीक्षा शोधकर्ता को वर्तमान अध्ययन के लिए उपयुक्त उपकरण, तकनीक, आंकड़े संग्रह के स्रोत और विधियों को चुनने में मदद करती है।

## 2.3 संबंधित साहित्य की समीक्षा की आवश्यकता

संबंधित साहित्य की समीक्षा की आवश्यकता निम्नलिखित कारणों से महत्वपूर्ण है:

i. किसी शोध कार्य की योजना बनाने का प्राथमिक कदम संबंधित क्षेत्र और उसके संबंधित प्रश्नों में किए गए मौजूदा शोध की गहन समीक्षा करना है।

ii. वर्तमान शोध का विश्लेषण और व्याख्या आमतौर पर शोधकर्ता को यह संकेत देती है कि वर्तमान अध्ययन किस दिशा में हो रहा है।

iii. यह हर शोधकर्ता के लिए महत्वपूर्ण कदम है कि वह उठाए गए समस्या से संबंधित साहित्य के बारे में खुद को अपडेट रखे। इसे वर्तमान अध्ययन को डिज़ाइन करने और उसे संचालित करने के सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक माना जाता है।

iv. यह अध्ययन की समस्याओं को तैयार करने के लिए एक आधार प्रदान करता है, जो मौजूदा समस्याओं की तुलना करके सुगम होता है। शोधकर्ता को उन आधारों से लाभ होता है जिन पर वे उद्देश्य बना सकते हैं, परिकल्पनाएं तैयार कर सकते हैं। यह अध्ययन की आवश्यकता, शोध अंतराल, और अध्ययन के अप्रासंगिकता को भी दर्शाता है।

v. वर्तमान अध्ययन क्षेत्र से संबंधित मौजूदा साहित्य के संदर्भ में, शोधकर्ता परिणामों और निष्कर्षों पर भी विस्तार से चर्चा कर सकते हैं।

vi. यह आवश्यक है क्योंकि यह उन आधारों, स्रोतों और संसाधनों को प्रदान करता है जो शोधकर्ताओं को उनके वर्तमान अध्ययन के लिए एक ढांचा तैयार करने में मदद करते हैं।

## 2.4 संबंधित साहित्य की समीक्षा

विस्तृत विश्लेषण और "सिंगरौली जिले के बैढ़न ब्लॉक के माध्यमिक विद्यालयों में खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन: केवल सरकारी विद्यालयों विषय पर चर्चा करने से पहले, खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन से संबंधित मौजूदा साहित्य की गहन समीक्षा करना आवश्यक है। इस समीक्षा में खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का माध्यमिक शिक्षा स्तर पर खेलकूद के महत्व, और खेलकूद से संबंधित विभिन्न विषयों पर की गई साहित्य शामिल होगा।

खेलकूद सुविधाओं तथा संचालन में आने वाली कठिनाइयों का अध्ययन से संबंधित साहित्य में गत शोधकर्ता के अध्ययन से लेकर समिति की रिपोर्ट, अनुभवजन्य अनुसंधान से लेकर वर्णनात्मक अध्ययन और व्यापक विषय गत विश्लेषण शामिल हो सकते हैं।

इस संबंधित शोध की समीक्षा के माध्यम से, शोधकर्ता मौजूदा साहित्य में खेलकूद सुविधा की पहचान करने और अध्ययन के लिए प्रासंगिक मुद्दों को पहचानने का प्रयास करेंगे। इन चुनौतियों की पहचान करके, शोधकर्ता भावी दृष्टिकोण से जांच के लिए विशिष्ट समस्या का चयन कर सकते हैं। निम्नलिखित चयनित साहित्य, लेख और जनरल इस शोध प्रबंध की तैयारी के हिस्से के रूप में समीक्षा किए गए हैं:

**मिलाग्रो और पाचो (2021)**का अध्ययन काम गाना जिले के सार्वजनिक माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन को बढ़ाने में खेलकूद और खेलों के प्रभाव की जांच पर केंद्रित है। इस अध्ययन ने मिश्रित अनुसंधान दृष्टिकोण और सम्मिलित अनुसंधान डिज़ाइन का उपयोग किया, जिसमें 99 उत्तरदाता शामिल थे। निष्कर्ष से पता चला कि खेलकूद और खेलों में भागीदारी छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव डालती है, और छात्रों, शिक्षकों और अन्य अकादमियों के बीच सहयोग और अच्छे संबंधों को बढ़ावा देती है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि खेलकूद और खेलों को लागू करने में विशेष प्रशिक्षकों, धन, सरकारी समर्थन, सुविधाओं और पर्याप्त खेल मैदानों की कमी, खेलकूद में संचालन में

आने वाली चुनौतियाँ हैं। अध्ययन ने सिफारिश की सरकार को अच्छी नीतियों को बढ़ावा देना चाहिए और बच्चों के लिए खेलकूद और खेल अकादमी स्थापित करनी चाहिए, जिससे छात्रों को उनके करियर के साथ बढ़ने में मदद मिले।

**बाला टोनी, वाग, और संच (2020)** ने हाई स्कूल छात्रों की मुफ्त समय की गतिविधियों की तुलना खेलकूद और वीडियो गेम के बीच की है। इस अध्ययन में पाया गया कि विकसित देशों में लोग शारीरिक गतिविधि की कमी करते हैं, जबकि यह एक स्वस्थ जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। युवा लोग अपने अधिकांश फुर्सत के समय को टीवी देखने और आईटी-टूल्स, जिसमें कंप्यूटर गेम शामिल हैं, में बिताते हैं। हंगरी में हाल के वर्षों में वीडियो-गेम (ई-स्पोर्ट्स) टीम प्रतियोगिताएं लोकप्रिय हो गई हैं, जो इस नए खेल को प्रोत्साहित करती हैं।

अध्ययन का उद्देश्य यह जानना था कि माध्यमिक विद्यालय के छात्र अपने फुर्सत के समय का कितना हिस्सा खेलकूद और वीडियो गेम में लगाते हैं, और क्या यह समय लिंग-विशिष्ट है। सर्वेक्षण को 2018 की गर्मियों में हंगरी में हाई स्कूल के छात्रों के बीच किया गया। प्रश्नों ने गत खेल आदतों और कंप्यूटर गेम से संबंधित व्यवहार को शामिल किया। आँकड़े विश्लेषण करते समय, शारीरिक गतिविधि और वीडियो गेम पर बिताए गए समय का अनुपात भी देखा गया और उम्र समूहों, निवास स्थान, विद्यालय की प्रकार, और लिंग के बीच भिन्नताओं की जांच की गई। प्रश्नावली को 882 छात्रों ने भरा। उत्तरदाताओं ने बताया कि उन्हें सप्ताह के दिनों में लगभग 3.6 घंटे और सप्ताहांत में 6.6 घंटे का फुर्सत का समय मिलता है। लड़कों ने आधे घंटे की फुर्सत का समय रिपोर्ट किया। 86.8% छात्र नियमित रूप से खेलकूद करते हैं, जिसमें लिंग के बीच कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया ($p>0.2$)। हंगरी में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में दैनिक शारीरिक शिक्षा की अनिवार्य प्रणाली इस उद्देश्य में काफी योगदान देती है, लेकिन शारीरिक गतिविधि के प्रति जुनून और आनंद भी महत्वपूर्ण है। साथ ही, बच्चों की आवश्यकताओं और इच्छाओं को समझना महत्वपूर्ण है ताकि उनके जीवनशैली पर सकारात्मक प्रभाव डाला जा सके।

**ओ'कॉलर, और पनाये (2011)** ने खेलकूद की परंपरागत दृष्टिकोण को देखते हुए और रोग निवारण पर उभरते हुए ज्ञान को स्वीकार करते हुए, शारीरिक शिक्षा के लिए एक समाज-पर्यावरणीय ढांचा प्रस्तुत किया है। इस पेपर का उद्देश्य 'शारीरिक रूप से सुसज्जित' होने के क्या मायने हैं, इस पर एक अधिक बहुआयामी दृष्टिकोण लाना है। यह ढांचा शारीरिक शिक्षा को इंटर-पर्सनल (आंतरिक), इंटर-पर्सनल

(परिवार, मित्र) और पर्यावरणीय दृष्टिकोण के माध्यम से देखने की प्रेरणा देता है, ताकि गतिविधि-आधारित स्वास्थ्य और फिटनेस के लिए 'डाउन स्ट्रीम' व्यायाम से परे जाकर विचार किया जा सके।

प्रस्तावित ढांचा स्थापित समाज-पर्यावरणीय मॉडलों पर आधारित है और इसमें कायाकल्प, मनोरंजक, स्वास्थ्य-संबंधित और प्रदर्शन-संबंधित शारीरिक गतिविधियाँ शामिल हैं। यह ढांचा शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र की जटिलताओं को समाहित करता है और परत-दर-परत प्रभावों के बीच बातचीत को स्वीकार करता है। ढांचा खेलकूद को समाहित करता है लेकिन यह भी स्पष्ट करता है कि ये गतिविधियाँ छात्रों के दैनिक जीवन से कैसे जुड़ी हो सकती हैं।

इस ढांचे को एक शिक्षा और सीखने के दृष्टिकोण के रूप में प्रस्तुत नहीं किया गया है और अकेले यह शारीरिक शिक्षा में प्रदर्शन और स्वास्थ्य की चर्चाओं की आलोचना को संबोधित नहीं कर सकता। हालांकि, समाज-पर्यावरणीय ढाँचे शारीरिक शिक्षा की शिक्षा और सीखने में उपयोगी सन्दर्भ प्रदान कर सकते हैं। शारीरिक रूप से सुसज्जित नागरिकों का उत्पादन करने के लिए, शिक्षकों को कई रूपों में समर्थन की आवश्यकता है ताकि वे अपने क्षेत्र को एक संपूर्ण पाठ्यक्रम और समुदायों में योगदान करने वाली विशेषता के रूप में पुनः स्थानांतरित कर सकें। इस दृष्टिकोण से, समाज-पर्यावरणीय ढाँचे एक महत्वपूर्ण उपकरण हो सकते हैं जो इस पुनरावृत्ति की सुविधा प्रदान कर सकते हैं।

**एडिशन (2017)** ने 19वीं सदी के ब्रिटिश विक्टोरिया सार्वजनिक स्कूलों में टीम खेलों के "चरित्र निर्माण" के उपकरण के रूप में उपयोग की वृद्धि की जांच की है। इस अध्ययन का मुख्य ध्यान उन शैक्षिक नवाचार पर है जो इस प्रक्रिया की नींव रखते हैं – संगठित खेलों का शैक्षिक उपकरण के रूप में उपयोग।

रोजर कैलोआइस के खेल खेलने की अनूठी गुणों के विश्लेषण के आधार पर, यह लेख यह पता करता है कि टीम खेलों की खेल विशेषताएँ कैसे विक्टोरिया सार्वजनिक स्कूलों में शैक्षिक कार्य और धारणाओं को आकार देती हैं। सामान्यतः, इन खेल विशेषताओं ने टीम खेलों को कोर्ट पर व्यवहार को आकार देने के लिए आदर्श स्थल के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाया, जबकि छात्रों के दीर्घकालिक व्यवहार पर प्रभाव को सीमित कर दिया।

विक्टोरिया खेलों के उपयोग की दो मुख्य सीमाएँ उजागर की गई हैं:

- पहली, एक संगठित खेल मॉडल प्रदान करते हुए, टीम खेलों ने छात्रों के खेल पैटर्न पर व्यावसायिक नियंत्रण को बढ़ाया।

- दूसरी, शिक्षकों का यह मानना था कि कोर्ट पर सीखे गए सबक स्वतः ही छात्रों के जीवन के अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित हो जाएंगे, जबकि टीम खेलों को व्यापक शैक्षिक पाठ्यक्रम में प्रभावी ढंग से शामिल नहीं किया गया।
- यह लेख खेलों के शैक्षिक कार्य के संबंध में महत्वपूर्ण पाठ प्रदान करता है, विशेष रूप से खेलों की बढ़ती अप्रासंगिकता के संदर्भ में, भौतिक और आभासी दोनों, शैक्षिक संदर्भों और बच्चों के जीवन में सामान्यतः।

**अट सन (2005)** ने 1780 से 1860 के बीच प्री-इंडस्ट्रियल स्कूलों और अकादमियों में खेलों और खेल गतिविधियों के मूल्य पर विचारों में आए परिवर्तनों की जांच की है। प्रारंभिक अवधि में, खेल गतिविधियों को हमेशा स्कूल से बाहर की गतिविधियों के रूप में देखा गया, जैसे कि शिकार, मछली पकड़ना, क्षेत्रीय खेल, नौकायन, और तैराकी। हालाँकि शिक्षकों द्वारा हमेशा निंदा नहीं की गई, ये गतिविधियाँ स्कूल के हिस्से के रूप में मानी नहीं जाती थीं।

1830 के बाद, शिक्षकों ने छात्रों को खेलों में भाग लेने के लिए नैतिक मार्गदर्शन देने के महत्व पर बहस की। माता-पिता ने अपने बच्चों को "प्राकृतिक" खेल सीखने के लिए निजी शिक्षकों के पास भेजा। 1860 तक, कई खेलों को युवाओं के लिए स्वस्थ, उपयोगी, और सुखद शारीरिक गतिविधियों के रूप में समर्थन प्राप्त हुआ। लड़कियों के लिए शारीरिक गतिविधि की आवश्यकता भी सुझाई गई, लेकिन उस समय के शिक्षकों द्वारा खेलों की स्पष्ट वकालत नहीं की गई। कई अकादमियों ने खेल के मैदान और सुविधाएँ प्रदान कीं, जिन्हें छात्र रेस के दौरान उपयोग कर सकते थे। कुछ स्कूलों ने विशेष "प्राकृतिक" खेलों के लिए प्रशिक्षकों की व्यवस्था की और कुछ स्कूलों में शिक्षक भी इन गतिविधियों में छात्रों के साथ भाग लेते थे। खेल बोर्डों का आयोजन किया गया, जो आमतौर पर छात्रों के नियंत्रण में रहे, लेकिन 1860 के बाद तक अन्य टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने लगे।

अनास्तासी, अलेक्सोवा, जीवकोविच, मिसोवा, नानेव और ट्रोजानोवा इवानोवा (2016)ने पारंपरिक खेलों और खेल गतिविधियों की सामाजिक और जातीय समावेशी, एकीकरण, और एकजुटता में भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया। यह अध्ययन पोस्ट-कॉन्फ्लिक्ट और संक्रमणकालीन समाजों में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच इन खेलों के प्रभाव का विश्लेषण करता है।

इस शोध में, 9 से 13 वर्ष की आयु के 208 बच्चों के एक नमूने का उपयोग किया गया, जो मैसेडोनिया गणराज्य के छह नगरपालिकाओं से थे। पारंपरिक खेल और खेल गतिविधियाँ समाज में एकजुटता की भावना को सुधारने और अंतर-सांस्कृतिक समझ और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। यूरोपीय और राष्ट्रीय राजनीतिक नेताओं और नीति निर्माताओं द्वारा पारंपरिक खेलों को एक ऐसा क्षेत्र के रूप में पहचाना गया है जो एकजुटता की भावना को बढ़ावा देता है और समाज के भीतर और विभिन्न समुदायों के बीच आपसी समझ को प्रोत्साहित करता है।

खेलों की सामाजिक शक्ति इस तथ्य में परिलक्षित होती है कि यह यूरोपीय खेल नीति के भीतर अंतर-सांस्कृतिक संबंधों और सामाजिक स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है। इस शोध के निष्कर्ष पारंपरिक खेलों के माध्यम से सामुदायिक एकजुटता और आपसी सम्मान को बढ़ावा देने की क्षमता को दर्शाते हैं, जो विशेष रूप से पोस्ट-कॉन्फ्लिक्ट और संक्रमणकालीन समाजों के लिए महत्वपूर्ण है।

**सिंघम और देवी (2013)** का अध्ययन उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों के खेलकूद और खेलों के प्रति दृष्टिकोण की जांच करने का उद्देश्य रखता है। लेखक तर्क देते हैं कि खेलकूद और खेल सामाजिक, मानसिक, भावनात्मक और बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं। वे इस बात पर जोर देते हैं कि जोरदार शारीरिक गतिविधि शरीर की दृढ़ता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण है, और खेलों में भाग लेने से किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है, जिससे एक स्वस्थ समाज का निर्माण होता है।

यह शोध विशेष रूप से मणिपुर के उच्च माध्यमिक स्तर के छात्रों पर केंद्रित है, जिसमें यह संकेत मिलता है कि इन छात्रों का खेलकूद और खेलों के प्रति अनुकूल दृष्टिकोण है। इस सकारात्मक दृष्टिकोण को उनके माता-पिता की गतिशील प्रकृति से बल मिलता है, जो खेलों में भागीदारी का समर्थन और प्रोत्साहन करते हैं, इस प्रकार अपने बच्चों में लाभकारी दृष्टिकोण को बढ़ावा देते हैं।

निष्कर्ष से पता चलता है कि मणिपुर के माध्यमिक विद्यालयों के छात्र न केवल खेलकूद और खेलों में गहरी रुचि रखते हैं, बल्कि उनके समग्र विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को भी पहचानते हैं। अध्ययन इस बात पर जोर देता है कि एक सहायक वातावरण खेलों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो छात्रों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए आवश्यक है।

**वकाले (2019)** ने छात्रों के जीवन में खेलों, खेल गतिविधियों और शारीरिक गतिविधियों के महत्व पर चर्चा की है। अध्ययन के अनुसार, सह-पाठ्यक्रम गतिविधियाँ छात्रों को स्वतंत्र निर्णय लेने, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने, कौशल विकसित करने और आत्म-विश्वास बढ़ाने में मदद करती हैं। खेलों और खेल गतिविधियों में भागीदारी से छात्रों को सहयोग, टीम वर्क, बंधन तकनीक और समय प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण जीवन कौशल सीखने को मिलते हैं।

शोध में यह भी उल्लेख है कि खेल छात्रों को उनकी छिपी प्रतिभाओं को खोजने, अन्य लोगों के साथ जुड़ने और उनके आसपास के वातावरण के बाहर नए अनुभवों के बारे में सीखने में मदद करते हैं।